

## ॥ श्रीपञ्चरक्षाधारणी ॥

प्रकाशक

नेपाल परम्परागत बीज बैंक संघ  
नेपाल काठमान्डौ महानिगर क्षेत्र  
सुनसरी

सम्पादक

डा.डा. श्रीमन्मान बज्राचार्य  
स.स.१९७८, बानेश्वरी, काठमान्डौ महानिगर  
नेपाल

निष्पादन

श्रीमन्मान बज्राचार्य









[illegible]

**Abstract**







1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

| Country | Year | Value |
|---------|------|-------|
| China   | 2000 | 1.00  |
| China   | 2001 | 1.00  |
| China   | 2002 | 1.00  |
| China   | 2003 | 1.00  |
| China   | 2004 | 1.00  |
| China   | 2005 | 1.00  |
| China   | 2006 | 1.00  |
| China   | 2007 | 1.00  |
| China   | 2008 | 1.00  |
| China   | 2009 | 1.00  |
| China   | 2010 | 1.00  |
| China   | 2011 | 1.00  |
| China   | 2012 | 1.00  |
| China   | 2013 | 1.00  |
| China   | 2014 | 1.00  |
| China   | 2015 | 1.00  |
| China   | 2016 | 1.00  |
| China   | 2017 | 1.00  |
| China   | 2018 | 1.00  |
| China   | 2019 | 1.00  |
| China   | 2020 | 1.00  |
| China   | 2021 | 1.00  |
| China   | 2022 | 1.00  |
| China   | 2023 | 1.00  |
| China   | 2024 | 1.00  |
| China   | 2025 | 1.00  |
| China   | 2026 | 1.00  |
| China   | 2027 | 1.00  |
| China   | 2028 | 1.00  |
| China   | 2029 | 1.00  |
| China   | 2030 | 1.00  |
| China   | 2031 | 1.00  |
| China   | 2032 | 1.00  |
| China   | 2033 | 1.00  |
| China   | 2034 | 1.00  |
| China   | 2035 | 1.00  |
| China   | 2036 | 1.00  |
| China   | 2037 | 1.00  |
| China   | 2038 | 1.00  |
| China   | 2039 | 1.00  |
| China   | 2040 | 1.00  |
| China   | 2041 | 1.00  |
| China   | 2042 | 1.00  |
| China   | 2043 | 1.00  |
| China   | 2044 | 1.00  |
| China   | 2045 | 1.00  |
| China   | 2046 | 1.00  |
| China   | 2047 | 1.00  |
| China   | 2048 | 1.00  |
| China   | 2049 | 1.00  |
| China   | 2050 | 1.00  |
| China   | 2051 | 1.00  |
| China   | 2052 | 1.00  |
| China   | 2053 | 1.00  |
| China   | 2054 | 1.00  |
| China   | 2055 | 1.00  |
| China   | 2056 | 1.00  |
| China   | 2057 | 1.00  |
| China   | 2058 | 1.00  |
| China   | 2059 | 1.00  |
| China   | 2060 | 1.00  |
| China   | 2061 | 1.00  |
| China   | 2062 | 1.00  |
| China   | 2063 | 1.00  |
| China   | 2064 | 1.00  |
| China   | 2065 | 1.00  |
| China   | 2066 | 1.00  |
| China   | 2067 | 1.00  |
| China   | 2068 | 1.00  |
| China   | 2069 | 1.00  |
| China   | 2070 | 1.00  |
| China   | 2071 | 1.00  |
| China   | 2072 | 1.00  |
| China   | 2073 | 1.00  |
| China   | 2074 | 1.00  |
| China   | 2075 | 1.00  |
| China   | 2076 | 1.00  |
| China   | 2077 | 1.00  |
| China   | 2078 | 1.00  |
| China   | 2079 | 1.00  |
| China   | 2080 | 1.00  |
| China   | 2081 | 1.00  |
| China   | 2082 | 1.00  |
| China   | 2083 | 1.00  |
| China   | 2084 | 1.00  |
| China   | 2085 | 1.00  |
| China   | 2086 | 1.00  |
| China   | 2087 | 1.00  |
| China   | 2088 | 1.00  |
| China   | 2089 | 1.00  |
| China   | 2090 | 1.00  |
| China   | 2091 | 1.00  |
| China   | 2092 | 1.00  |
| China   | 2093 | 1.00  |
| China   | 2094 | 1.00  |
| China   | 2095 | 1.00  |
| China   | 2096 | 1.00  |
| China   | 2097 | 1.00  |
| China   | 2098 | 1.00  |
| China   | 2099 | 1.00  |
| China   | 2100 | 1.00  |
| China   | 2101 | 1.00  |
| China   | 2102 | 1.00  |
| China   | 2103 | 1.00  |
| China   | 2104 | 1.00  |
| China   | 2105 | 1.00  |
| China   | 2106 | 1.00  |
| China   | 2107 | 1.00  |
| China   | 2108 | 1.00  |
| China   | 2109 | 1.00  |
| China   | 2110 | 1.00  |
| China   | 2111 | 1.00  |
| China   | 2112 | 1.00  |
| China   | 2113 | 1.00  |
| China   | 2114 | 1.00  |
| China   | 2115 | 1.00  |
| China   | 2116 | 1.00  |
| China   | 2117 | 1.00  |
| China   | 2118 | 1.00  |
| China   |      |       |

1. **Identify the main topic** of the text.

























[illegible]



[illegible]







હાલથી સમજાવ્યું છે.      ૬. જે હાલમાં હિનુવનના હિનુલીનાં સન્માનમાં : સ્વામીજીની વિરોધી એ નુકસાની કરાવવામાં :      ૭. જેથી  
 મુસ્લિમ જેથી હાલમાં નામ : સન્માન નથી નામ :      ૮. પીરમનુ :





कर्मयोगः ॥ रि रि रि रि रि रि रि रि रि रि ॥ १० ॥ वेदव्यासः ॥ पुनि पुनि पुनि पुनि पुनि पुनि ॥ ५ ॥ सर्वज्ञ आज्ञापरमं ॥  
 प्रविष्टाणि सर्वसम्पत्तिप्रदायकः वेदविद्यानि सत्यविद्यानि सूरिप्रविद्यानि उपेक्षाविद्यानि ॥ एते सत्यपदः सिद्धाः सिद्धपादा  
 सिद्धीदृशाः ॥ सर्वेषां वेदतानां च भूतानां च किमपिना ॥ सर्वेनादीनदीनपदप्रसन्नदादसम्पत्तिपति च ॥ ॥ स्वमित्त नः कुरुतां बुद्धाः  
 स्वमित्त वेदाः सत्यपदः ॥ स्वमित्त सर्वानि भूतानि सर्वज्ञानं विद्यां च ॥ बुद्धपुण्यानुभावेन वेदतानां भवेन च ॥ दीदीदी सप्तभिर्द्वि  
 सप्तदीदीपसप्तपुद्गलानां ॥ स्वमित्त की द्विपदी श्रीमन् स्वमित्त श्रीमन् सत्यपदी ॥ स्वमित्त की वदतां भवति स्वमित्त प्रत्यक्षपतिपुत्र ॥ स्वमित्त  
 सती स्वमित्त रिक्ता स्वमित्त सत्य दिने सिद्धे ॥ सर्वज्ञ स्वमित्त की श्रीमन् सर्वेषां पापप्रणमन् ॥ सर्वेपत्ताः सर्वेज्ञाः सर्वभूतान्य  
 वेदव्यासः ॥ सर्वे वै सुविद्यः सन्तु सर्वे सन्तु विद्यामयाः ॥ सर्वे वदन्ति सत्यपन्तु वा सर्वेपत्तावभासमन् ॥ सर्वज्ञ भूतानि सत्यपत्तिनि

भिन्नानि धूम्रावश्यान्तरीक्षे ॥ कुरुन्तु विही नमस्तु शत्रान् विहा न यस्मै न च कुरुन्तु शत्रान् ॥ इति तत्र कुट्टना कुट्टानुभावेन विहासा  
 देवतानुभावेन मूर्त्तिर्हितानुवशास्तेति ॥ ॥ शत्र्वन्महात्मनानुभाविनीनामपान्नाममन्त्राणां सम्पत्ता ॥ ॥ ये शत्र्वन् हेतुप्रभवा  
 हेतुप्रभवाः सन्तः ॥ तद्वदस्ते विनेष्टे न कुरुन्तु मन्त्रावयवः ॥ यस्मै कुट्टान् ॥ यस्मै शत्र्वान् ॥ यमः शत्रवान् ॥ ॥  
 यस्मै शत्र्वान्मन्त्रावयवः सन्तः ॥ ॥ कुट्टान्मन्त्रावयवः ॥